



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 421]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 20, 1985/भाद्र 29, 1907

No. 421]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 20, 1985/BHADRA 29, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह बसग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1985

अधिसूचना

सं. 210/85—मध्य उपाद-शुल्क

मा. का. वि. 747 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-  
शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58)  
की धारा 3 के उपधारा (3) के साथ पठित, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम,  
1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) का अधि-  
सूचना सं. 210/85—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 2 सितम्बर, 1985  
में निम्नलिखित संशोधन करने हेतु, प्रार्थित :—

उक्त अधिसूचना में,—

- (1) मारण के स्तंभ (1) में "सिगरेट (जो पैकेजों में पैक  
का गई सिगरेट हैं)" शब्दों और कोष्ठकों के स्थान पर  
"सिगरेट (जो अनुमोदित पैकेजों में पैक की गई सिगरेट हैं)"

शब्द और कोष्ठक रखे जाएंगे ;

- (ii) स्पष्टीकरण में, खण्ड (2) और (3) के स्थान पर निम्न-  
लिखित छह रखे जाएंगे, अर्थात् :—

- (2) "अनुमोदित पैकेजों में पैक की गई सिगरेट" में अभिप्रेत  
हैं ऐसी सिगरेट जो खुदरा विक्रय के लिए ऐसे पैकेजों में पैक  
का जाते हैं,—

(क) जिनमें 10 या 20 सिगरेट हों ;

(ख) जिन पर ऐसी घोषणा दर्ज हो जिसमें घोषणा में विनि-  
ष्टि रकम के रूप में उनका अधिकतम विक्रय कीमत और  
केवल स्थान पर विनिर्दिष्ट हो, और

(ग) जिन पर निरक्षण और लेखा परीक्षा (समाशुल्क और  
केन्द्र या उत्पाद-शुल्क) निदेशालय के निदेशक (लेखा  
परीक्षा) द्वारा अनुमोदित सतह दिखाइये हों ।

परन्तु यह कि—

- (क) उक्त निदेशक (लेखा परीक्षा) इस अधिसूचना के प्रबो-  
धार्थ किम। सतह दिखाइये को अनुमोदित करने में तब  
तक इन्कार नहीं करेगा जब तक कि, ऐसा जान करने

के पश्चात् जिसे वह आवश्यक समझता है, और ऐसे अनुमोदन के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति को अपना मामला पेश करने के लिए उचित अवसर देने के पश्चात् उसका यह समाधान नहीं हो जाता कि ऐस. सतह डिजाइन इस अधिसूचना के अधिन अनुमोदित किंसा अन्य सतह डिजाइन के इतने समरूप है कि धोखा हो सकता है ;

(ख) इस अधिसूचना के अधिन किस सतह डिजाइन का अनुमोदन इस शर्त के अधिन होगा कि ऐसे सतह डिजाइन वाले पैकेजों का प्रयोग कम भा ऐस. सिगरेटों को पैक करने के लिए नहीं किया जाएगा जिनके लिए किंसा भिन्न विक्रय क.मत का घोषणा का गई है ; और उक्त शर्त का उल्लंघन होने पर ऐसे अनुमोदन का प्रवर्तन उन बातों के सिवाय समाप्त हो जाएगा जिन्हें प्रवर्तन की ऐसी समाप्ति से पहले किया गया है या करने से लोप किया गया है ;

(3) 'डिजाइन' में रंग, टाइपोग्राफ़ी चित्रण जैसे तत्व और अभिव्यास या इन तत्वों में से किंसा का किंसा भा रूप, शैली या रीति से कोई समुच्चय चाहे वह किन्हीं अन्य तत्वों को मिलाकर हो या उनके बिना हो, सम्मिलित हैं, किन्तु विक्रय कीमत संबंधी घोषणा इसमें सम्मिलित नहीं है ;

(4) सिगरेटों के पैकेजों के संबंध में, "विक्रय क.मत" से अभिप्रेत है वह अधिकतम क.मत (केवल स्थानिय करों को छोड़कर) जिस पर ऐसे पैकेज, उस पर का गई मुद्रित घोषणा के अनुसार बेचे जा सकेंगे ;

(5) किंसा पैकेज के संबंध में, "सतह डिजाइन" से पैकेज का सतह पर वह डिजाइन अभिप्रेत है जो पैकेज का अवलोकन करने वाले किंसा व्यक्ति को दे जा सकत है ।

(6) किंसा सतह डिजाइन के बारे में यह समझा जाएगा कि उसके किंसा अन्य सतह डिजाइन के समरूप होने का धोखा हो सकता है यदि वह अन्य सतह डिजाइन से इतनी मिलती जुलती है जिसे धोखा या भ्रम होने का सम्भावना है ।

2. यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1985 से प्रवृत्त होगी ।

[फा. सं. 81/38/85-के. उ. गु. III]

सी. माथुर, अवसर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 20th September, 1985

## NOTIFICATION

No. 210/85—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 747(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby makes the following amendments

in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, (Department of Revenue) No. 201/85—Central Excises, dated the 2nd September, 1985, namely :—

In the said notification,—

(i) in the Table, in column (1), for the words and brackets, "Cigarettes (being cigarettes packed in packages)" the words and brackets, "Cigarettes (being cigarettes packed in approved packages)" shall be substituted;

(ii) in the Explanation, for clauses (2) and (3) the following clauses shall be substituted, namely :—

"(2) "cigarettes packed in approved packages" means cigarettes which are packed for retail sale, in packages which—

(a) contain 10 or 20 cigarettes;

(b) bear a declaration specifying the maximum sale price thereof as the amount specified in the declaration, plus local taxes only; and

(c) have surface designs approved by the Director (Audit) in the Directorate of Inspection and Audit (Customs and Central Excise) :

Provided that—

(a) the said Director (Audit) shall not refuse to approve any surface design for the purposes of this notification unless he is satisfied after making such inquiry as he deems necessary and after giving a reasonable opportunity to the person making the application for such approval to represent his case, that such surface design is deceptively similar to any other surface design approved under this notification;

(b) the approval given for any surface design under this notification shall be subject to the condition that packages with such surface design shall not at any time be used for packaging of cigarettes bearing declarations of different sale prices, and upon the breach of the said condition, such approval shall cease to be operative except as respect things done or omitted to be done before such cesser of operation

(3) "design" includes elements such as colour, typography, illustration and any layout or combination in any form, style or manner of any of these elements, whether with or without any other elements, but does not include the declaration relating to sale price;

(4) "sale price", in relation to a package of cigarettes, means the maximum price (exclusive of local taxes only) at which such package may be sold in accordance with the declaration made, in print, on such package;

(5) "surface design", in relation to any package, means the design on the surface of the package visible to a person seeing the package;

(6) a surface design shall be deemed to be deceptively similar to another surface design if it so nearly resembles that other surface design as to be likely to deceive or cause confusion.

2. This notification shall come into force on the 1st day of October, 1985.

[F. No. 81/38/85-CX-3]  
C. MATHUR, Under Secy.

